



फसल लगाने की मार्गदर्शिका । लौकी

• खेत की जुताई और पुर्वतैयारी ।

- » सकरा मार्ग सिंचाई और जल निकासी में मदद करते हैं
- » जैविक अथवा प्लास्टिक मल्व को मिट्टी में नमी संरक्षित करने एवं खरपतवार नियंत्रण के लिये उपयुक्त किया जा सकता है ।
- » रोपाई से पहले टेलिस स्थापित करे
- » 4,400 पौधे प्रति हेक्टेयर (किस्म और मौसम के अनुसार बदलाव)



HINDI

2 मीटर के दायरे में 60 ग्राम 15:15:15 और ३किलोग्राम गोबर खाद पौधे रोपाई के पहले डाले।

1 मीटर चौड़ा, 30 सेन्टीमीटर ऊंचा (शुष्क मौसम में 20 सेन्टीमीटर)

2 मीटर

1 मीटर

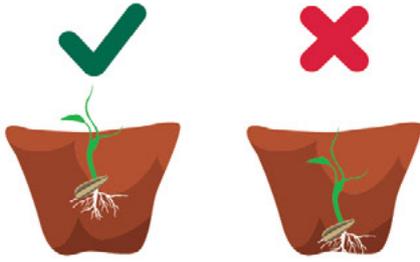
50 सेन्टीमीटर

• पौधे तैयार करना।

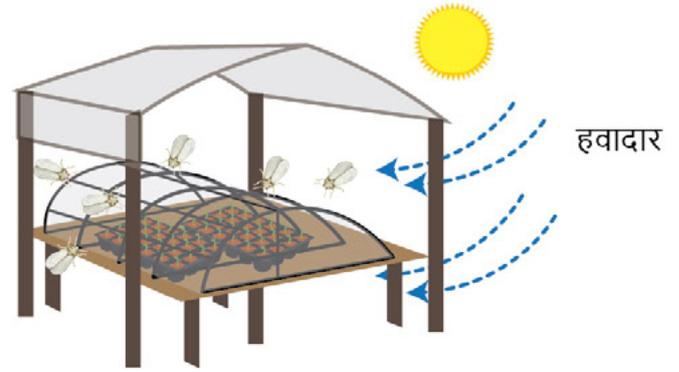
- ◆ मीडिया तैयार करना; १० मिनट के लिए गरम करना या कडी धूप में आधे दिन तक रखना उसके उपरान्त ट्रे में डालना।



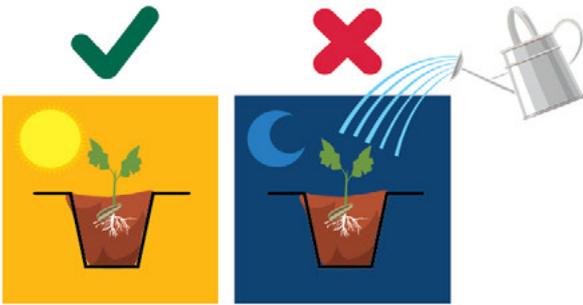
- ◆ बीज बोना और पौधों की रक्षा करना।



बुवाई की गहराई = 2 बीज का आकार

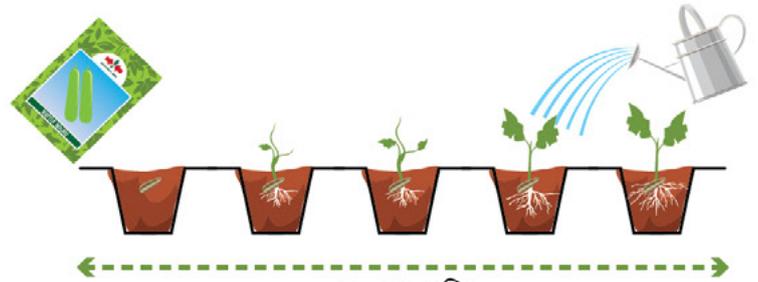


- ◆ नमी बराबर रखना



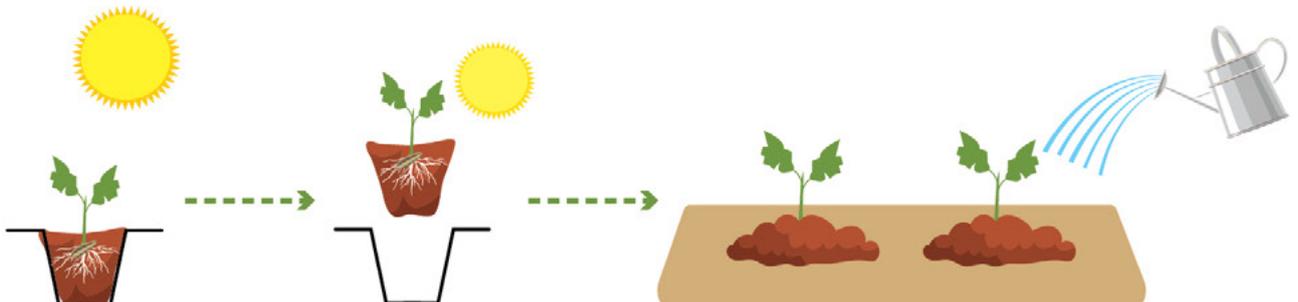
सुबह

शाम



8 - 10 दिन

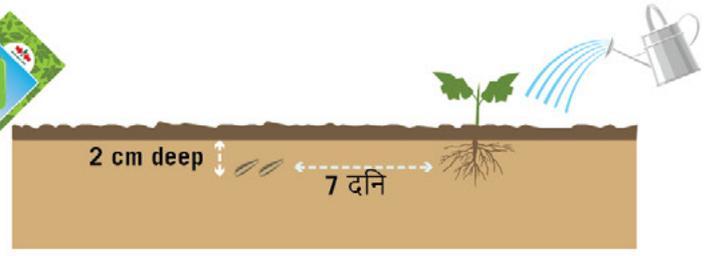
- ◆ पुरव रोपण के 2-3 दिन पहले पानी की मात्रा कम करके, पौधों को धूप देना जरुरी है।



• प्रत्यक्ष बीज बोवाई।



» २ बीज प्रतिअंतर पर लगाये, जब पौधा १० सेन्टीमीटर हो जाये तो उसे निकाल ले।



• खाद व्यवस्थापन



10 g

10 g

15 g

15 g

15 g

15 g

15 g

10 g



10 g

10 g



5 g

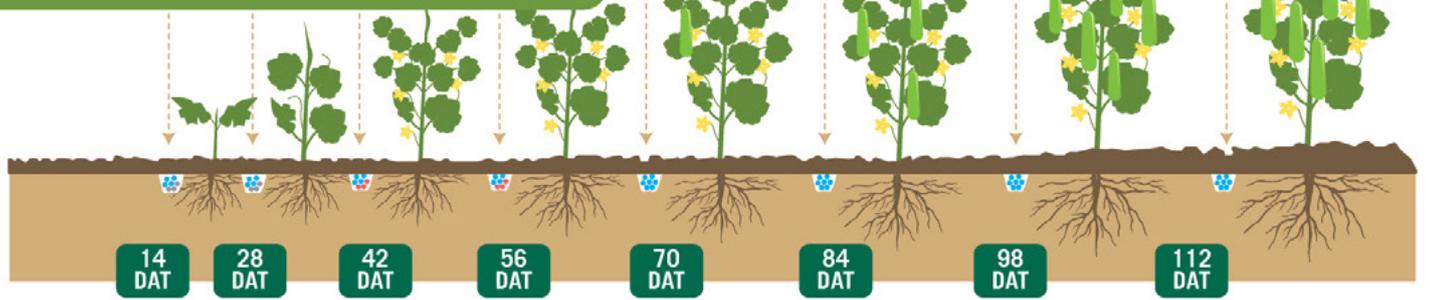
5 g

5 g

नीचे से १.५ फीट तक पत्तियों की छटाई करनी चाहिये।

प्रत्येक ३-४ दिन में सुबह फलों की कटाई करनी चाहिए।

2.5 सेन्टीमीटर अंदर जड़ के सरि के बाजू में खाद देना चाहिए।



14 DAT

28 DAT

42 DAT

56 DAT

70 DAT

84 DAT

98 DAT

112 DAT

फसल में खाद की अनुशंसति मात्रा ४,४०० प्रति हेक्टेयर पौधों के लिये है।
खाद का उपयोग मृदा स्थिति, मौसम एवं पौधे की बढ़वार के अनुसार समायोजित कर सकते हैं।

• एकीकृत कीट प्रबंधन



» स्टिकी ट्रेप का उपयोग कीटों की नगिरानी व अधिक संख्या में कीटों को पकड़ने के लिए करें।
» फल मक्खी के लिए फरिमोन ट्रेप, बैसिल अर्क ट्रेप का उपयोग करें।



रोगों के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिये संक्रमित पौधों, पुराने पौधे एवं खरपतवार नष्ट कर दे व हटा दें।



फसल चकरण करने से कीट और रोग रूकते हैं और मट्टी की उर्वरता भी बढ़ती है।

• एकीकृत कीट प्रबंधन एवं रसायनों का सावधानीपूर्वक उपयोग।

- » प्रतिरोधी क्षमता रोकने के लिये दुसरे कारवाई समूह रसायन उपयोग करे।
- » हमेशा कीटनाशक पर्चा पढे।

किटो के प्रकार



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	माहु	सफेद मकखी	ईल्ली	लीफ माइनर	भृंग	फल मकखी
ल्याम्डा - सायलोथ्रीन	3A	SC	✓	✓	✓	✓	✓	
ईनोटोफुरान	4A	S	✓	✓		✓		✓
स्पिनोसाड	5	S			✓	✓		✓
स्पानेटोरम	5	SC			✓	✓		✓
अबेकटीन	6	SC (अल्प S)			✓	✓	✓	
थॅयोसायलम ऑक्सिलटे	14	SC	✓	✓				
क्लोरोथालोनिलप्रोल	28	S			✓			
फ्लुबेडाअमिड	28	S			✓			✓
बैसीलस थुरानजैन्सिस	11A	C			✓			
अजाडीराक्टीन(नीम अर्क)	UN	अनजान	✓	✓	✓	✓	✓	✓

Mode of Action (MoA) =क्रिया की विधि ; SC (पेट + संपर्क); S (प्रणाली) के अनुसार

रोग के प्रकार



क्रियाशील घटक	कारवाई की विधि	क्रिया	Remarks	गमी स्टेम ब्लाइट	चूर्णिल आसिता	मृदुरोमिल आसिता	विषाणू रोग
कॉपर आधारित फफूंदनाशी	M 01	P		✓	✓	✓	कीट वेक्टर प्रबंध जैसे माहु।
क्लोरोथानॉल	M 05	P		✓	✓	✓	
मॅनकोझेब	M 03	P		✓	✓	✓	
आझोक्ससोबिन	11	P + C	एक फसल चक्र के लिये अधिकतम चार बार	✓	✓	✓	
प्रोपमोकार्ब	28	P + C				✓	
सामोक्जानिल	27	C	प्रतिबंध का समुहिकरण (क्लोरोथालोनिल और मॅनकोजेब)			✓	
मेटालॉसी	4	P + C	प्रतिरोध क्षमता बढ़ने की संभावना (2बार इस्तेमाल करे)			✓	
बैसिलस सबटालिस	BM02	P			✓	✓	

Mode of Action (MoA) कारवाई की विधि ; P= प्रतिबंधित (जब तक लक्षण न दिखे तब तक प्रभावी), C=रोगनिवारक

- सुरक्षित इस्तेमाल करे
- अच्छा मौसम
- अच्छे नोज़ेले
- छिडकाव के बाद अच्छे से धोये।



<https://growhow.eastwestseed.com>

इस फसल मार्गदर्शिका की पुष्ठी ईस्ट-वेस्ट सीड फौंडेशन की जानकारी शृंखला का भाग है, © 2021 कॉपीराइट - ईस्ट - वेस्ट सीड फौंडेशन के पास सभी अधिकार सुरक्षित है। कृषि रसायनों की संस्तुति वागोनिंगेन यूनिवर्सिटी एवं अनुसंधान के सहयोग से विकसित किया गया है।